EditorsBreaking

ताज़ा समाचार और नवीनतम अपडेट

राष्ट्रीय

17 साल में सबसे सूखा मानसून, 15% कम बारिश से फसलों पर संकट

प्रकाशित तिथि: 18 Sep 2026



भारत 17 साल के सबसे सूखे मानसून की ओर बढ़ रहा है। 18 सितंबर तक जून से सितंबर के मानसून सीजन में देश में सामान्य से 15% कम बारिश हुई। मौसम विज्ञान विभाग ने सामान्य से 8% कम बारिश का अनुमान जताया था। बारिश की कमी बरकरार रही, तो यह 2009 के बाद सबसे कमजोर मानसून होगा। तब सामान्य से 18% कम पानी गिरा था।

मानसून के अंतिम चरण में भी बारिश की कमी बनी हुई है। आईएमडी के अनुसार, सितंबर में कुछ हिस्सों में सामान्य से 50% तक कम बारिश हुई। इससे पैदावार घटने व खाद्य कीमतों पर दबाव बढ़ने की आशंका है। भारत में बारिश का 70% हिस्सा मानसून से पूरा होता है। मौसम विभाग के अनुसार, कम बारिश का असर धान, दलहन, कपास और मक्का जैसी फसलों पर पड़ रहा है। कृषि मंत्रालय के मुताबिक, 18 सितंबर तक खरीफ फसलों की बुआई पिछले साल से 15 लाख हेक्टेयर कम क्षेत्र में रिकॉर्ड की गई है। सबसे ज्यादा असर धान पर पड़ा है। उसका रकबा 3.73% घटकर 426.81 लाख हेक्टेयर रह गया है।

एक अनुमान के मुताबिक, चावल उत्पादन एक करोड़ टन घटकर 14.4 करोड़ टन रह सकता है। यह पिछले साल के रिकॉर्ड उत्पादन से 6.5% कम है। दक्षिण में रकबा 30-40% घटने से प्रीमियम चावल के दाम 50% तक बढ़ गए हैं। आंध्र प्रदेश में ग्रेड-1 चावल 4,000 रुपये/क्विंटल से चढ़कर 6,200 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गया है। खाद्यान्न उपलब्धता को लेकर तत्काल बड़ा संकट इसलिए नहीं माना जा रहा, क्योंकि भारत के पास करीब 5.96 करोड़ टन चावल और धान है, जो सरकार के तय लक्ष्य से काफी अधिक है।

टैग: #monsoon #crops in trouble